तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि

रायपुर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

09 नम आँखों से दी माँ दुर्गा को विदाई



10 नगर के दुर्गा पंडालों में स्थापित माता की मूर्तियों...



खबर संक्षेप



24 को मनाया जाएगा फिंगेश्वर का शाही राजा दशहरा

फिंगेश्वर। अंचल का राजा दशहरा महोत्सव 24 अक्टूबर शनिवार को आयोजित किया गया है। इस दशहरे को देखने दूर दूर से नगर पहुंचते हैं। राजमहल रोड में दुकानों की लाइन सजी होती है। खिलौने से लेकर मिठाई एवं नाना प्रकार फैंसी सहित विभिन्न दुकानें खुली रहती है। रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी नाच पार्टी का आयोजन किया जाएगा। 24 अक्टूबर को देवधर पूजा,बालाजी,पंचदेव, मावलीमाता देवी एवं फणीकेश्वरनाथ मंदिर राज परिवार द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। रात्रि में भगवान श्रीराम चंद्र, सांग देवता एवं राजा निलेन्द्र बहादुर सिंह की विजय एवं शोभा यातश पश्चात भेंट सुपारी का कार्यक्रम संपन्न होगा। इसी प्रकार 25 अक्टूबर को शरदपूर्णिमा कार्यक्रम बालाजी मंदिर प्रांगण मे संपन्न होगा।

श्रद्धालुओं के साथ विधायक साहू ने किया गरबा-डांडिया



नवापारा-राजिम। क्वांर नवरात्र पर नवापारा नगर में गुजराती समाज द्वारा पारंपरिक गरबा-डांडिया का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा आयोजन स्थल मां दुर्गा की भक्ति, उल्लास और उत्साह से सराबोर नजर आया। पारंपरिक परिधानों में सजे महिला-पुरुषों ने गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में विधायक इंद्रकुमार साहू विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने मां अंबे की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने गरबा-डांडिया में भाग लेकर आयोजन की रौनक बढ़ाई और उपस्थित सामाजिक जनों का उत्साहवर्धन किया। पारंपरिक संगीत की धुनों पर गरबा और डांडिया करते प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रंग-बिरंगे परिधानों और लयबद्ध नृत्य ने आयोजन को आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गुजराती समाज के सदस्यों सहित अन्य सामाजिक जनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। नवरात्र के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपरा और धार्मिक आस्था का सुंदर संदेश दिया। आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक संस्कृति से जुड़ने का अवसर भी मिला। पूरे कार्यक्रम में उत्सव और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला।

भाटीगढ़ में देव दशहरा का महाकुंभ : देवी- देवताओं द्वारा अस्त्र-शस्त्रों के साथ गढ़ चढ़ाई कर मनी विजयादशमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

- बारह पाली के 36 गांवों से उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, राजा-रजवाड़े के जमाने की तलवारों और खड़गों के प्रदर्शन से गूंजा पूरा क्षेत्र

प्राचीन आदिवासी संस्कृति, लोक आस्था और धार्मिक परंपराओं के अनूठे केंद्र पैरी उदगम भाठीगढ़ में चार दिवसीय ऐतिहासिक 'देव दशहरा' पर्व का भव्य आयोजन आज किया जा रहा है। आज विजयदशमी के अवसर पर क्षेत्र कोने-कोने से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं, डांग-डोली के साथ पहुँचे देवी-देवताओं द्वारा पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों के शौर्य प्रदर्शन के बीच रैनी मार गढ़चढ़ाई की गई। गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर मनाए जाने वाले देव दशहरा की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। दशहरे के दिन रावण के पुतले दहन किए जाते हैं, वहीं पैरी उदगम भाठीगढ़ में रावण दहन की परंपरा नहीं है। यहाँ आदिवासी संस्कृति और लोक मान्यताओं के अनुसार शक्ति पूजा की जाती है। नवरात्र की नवमी से ही यहाँ दशहरा पर्व का शुभारंभ हो जाता है। विजयादशमी के दिन आज मंगलवार को पहाड़ी पर स्थित क्षेत्र की प्रमुख देवी मां बम्हनीन माई, मां दंतेश्वरी के दरबार में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ सभी देवी-देवताओं की सवारी ग्राम प्रमुख रहे स्वर्गीय हेमसिंग नेगी के निवास पर पहुँची। यहाँ राजा-रजवाड़े के जमाने की प्राचीन तलवारों, खड़गों और अन्य अस्त्र-शस्त्रों की विधि-विधान से पूजा की गई।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख गढ़ पैरी उद्गम में नहीं होता रावण दहन





खास खबर

भाठीगढ में राजा-रजवाड़ों के हथियारों से सजा दरबार और शौर्य प्रदर्शन

शस्त्र पूजन के पश्चात जब देवी-देवताओं ने प्राचीन अस्त्र-शस्त्र धारण किए, तो पूरा वातावरण पारंपरिक गीतों और जयकारों से गूंज उठा। राजा-रजवाड़े के जमाने की तलवार, खड़ग, बाना, सांगा और अन्य अस्त्र-शस्त्रों को लेकर देवी-देवताओं ने अद्भुत शौर्य नृत्य और कला का प्रदर्शन किया। शाम होते-होते राजभर की माता जिड़ारिन देवी की सवारी हजारों लोगों की रैली और भव्य ध्वज के साथ भाठीगढ़ की सीमा पर पहुँची। ठीक उसी समय राज देवी बस्तरहीन, गादी माई और रणमौली खांड़ा देव भी अपने डांग-डोली और गाजे-बाजे के साथ वहाँ पहुँच गए,भाठीगढ़ पहुँचने पर स्थानीय देवी-देवताओं और हजारों श्रद्धालुओं ने बाहर से आए सभी देवी-देवताओं का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया। इसके बाद मां बम्हनीन, मां दंतेश्वरी, मां काला कुंवर, मां गढ़वाली, मां भठीगढ़ीन, मां जिड़ारिन, मां बस्तरहीन, मां गादी माता,कचना धुर्वा देव सहित तमाम प्रमुख देवी-देवताओं और हजारों की भीड़ ने तेज गति और पूरे उत्साह के साथ 'रैनी भांठा' की ओर रुख किया



तथा गढ़ चढ़ाई कर एवं रैनी भांठा पहुँचकर पारंपरिक रूप से रैनी सोनपत्ता मारकर दशहरा पर्व की मुख्य रस्म पूरी की गई। इस दौरान जमकर तलवारें और लाठियाँ भांजी गईं। इस रोमांचक और ऐतिहासिक दृश्य को देखने के लिए प्रदेश के कोने-कोने से लोग पहुँचे थे। इस ऐतिहासिक देव दशहरा पर्व में बारह पाली के अंतर्गत आने वाले 36 गांवों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने रैनी मारने के पश्चात क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए देवी-देवताओं से आशीर्वाद लिया। पैरी उदगम भाठीगढ़ मे चार दिवसीय ऐतिहासिक दशहरा के चलते आज मंगलवार को मेला का आयोजन किया गया था। रात में रंगारंग छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजप्रमुख हरिश्चंद्र नेगी ने क्षेत्र के लोगों को दशहरा पर्व की बधाई दी। देवी देवताओं द्वारा गढ़ चढ़ाई रैनी करने के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को सोन पत्ता भेंट कर जहां विजयदशमी पर्व की बधाई दी। वहीं दूसरी ओर भाठीगढ राज प्रमुख हरिश्चंद्र नेगी सभी क्षेत्रवासियों को देव दशहरा पर्व की बधाई दी और क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि खुशहाली की कामना किया। वरिष्ठ सिरहा प्रेमसाय जगत, छबी दीवान, मुख्त्रियार दीवान, पवन दीवान , खेलन दीवान, खेदु नेगी ने भी क्षेत्रवासियों को दशहरा पर्व की बधाई देते हुए यहां परंपरा को हमेशा बनाए रखने की अपील किया है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाठीगढ़ राज प्रमुख हरिशचंद नेगी, छबिलाल दीवान, मुखतियार दीवान, प्रेमसाय जगत, खेदू नेगी,आशाराम यादव, पवन दीवान, सुन्दर कपिल, देवी सिंह, शोभा राम कुम्हार, लोकेश्वरी नेताम, सरपंच पुष्पा नेगी, जनपद सदस्य जामुन बाई नेगी, पूर्व सरपंच जिलेन्द्र नेगी, पूर्व जनपद सदस्य डाकेश्वर नेगी, राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, घसिया राम नेगी, देवी सिंह चक्रधारी, नाथु राम ध्रुवा, राधेश्याम नेगी, छबीराम ध्रुव, जयराम चक्रधारी भागसिंह ध्रुव, रामसिंह ध्रुव, लिलेश साहू, लिलेश चक्रधारी, खुमेश्वर ध्रुव, सुरेश देववंशी, महेन्द्र नेताम, खेलन दीवान, बसंत जगत, गंगाराम जगत, लिकेश यादव, रामकृष्ण ध्रुव, गेंदु यादव, शेख हसन खान, उत्तम पटेल, थानूराम पटेल, सोहन नागेश,माखनदास वैष्णव, थानु वैष्णव, विशेषर सिक्का, तुलसी राम नागेश, बुधराम निर्मलकर, दया राम यादव, अकबर नागेश, इतवारी ध्रुव, महेन्द्र साहू, किशन मरकाम, रामदेव ध्रुव, कुबेर ध्रुव, विमल यादव, गोविंदा यादव, दामोदर नेगी,गज्जू नेगी,जवाहर लाल, परमानंद पटेल, मनीष पटेल, परेश्वर नेगी,सहित बारह पाली के 36 ग्रामों के हजारों ग्रामीण उपस्थित रहे।

पर्व : क्षेत्र के गांव गांव में एक दिन पहले से रामलीला का मंचन

आतिशबाजी के साथ 40 फीट के रावण का किया पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक महापर्व दशहरा विकासखंड क्षेत्र में अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। नगर सहित ग्रामीण अंचलों के दर्जनों गांवों में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न गांवों में भगवान श्रीराम की लीलाओं का मंचन किया गया और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन कर सत्य की जीत का संदेश दिया गया। तहसील मुख्यालय मैनपुर प्राथमिक शाला मैदान में रामलीला का मंचन कर 40 फीट उंचे रावण का पुतला का दहन आतिशबाजी के साथ किया गया एक घंटे तक आसमान में रंग बिरंगे आतिशबाजी होती रही वही मैनपुर क्षेत्र के ग्राम नवमुड़ा, जाड़ापदर, जिड़ार, मैनपुरकला, सिहार, गिरहोला, देहारगुड़ा, खाम्हभाठा, दबनई, फरसरा, नाहनबिरी , मोंहदा में एक दिन पहले से रामलीला का मंचन प्रारंभ हो गया था आज दशहरा के दिन रावण वध कार्यक्रम आयोजित किया गया देर रात तक इस कार्यक्रम में गांव व आसपास के लोग शामिल हुए। नगर के साथ-साथ भाठीगढ अमलीपदर, शोभा, गोहरापदर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रें में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा। विशेष मेलों का

आयोजन किया गया, जहां आसपास के दर्जनों गांवों से पहुंचे हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं में मेलों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक दुकानों, खेल-खिलौनों और खान-पान के स्टालों पर दिनभर भारी भीड़ जुटी रही। शाम ढलते ही रामलीला मंचन के अंतिम चरण में भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए युद्ध का सजीव चित्रण किया गया। भगवान श्रीराम द्वारा रावण का वध किए जाने के प्रसंग का मंचन होते ही पूरा पंडाल जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद आकर्षक आतिशबाजी के बीच रावण के विशाल पुतले का दहन किया गया। पुतला जलते ही दर्शकों ने तालियों और जयकारों के साथ अपनी खुशी जाहिर की। विशाल मेलों और भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच सभी जगहों पर शांतिपूर्ण तरीके से रावण वध और मेला संपन्न हुआ, जिससे लोगों ने बिना किसी बाधा के परिवार सहित पर्व का आनंद लिया।



भक्तों ने दी मां दुर्गा को विदाई प्रतिमाओं का किया विसर्जन

कोपरा। शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहे ग्राम लोहरसी व क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने नम आंखों से माता रानी को विदाई दी। गांव के विभिन्न दुर्गा पंडालों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। विदाई की बेला में श्रद्धालुओं ने अगले बरस फिर आने की कामना करते हुए मां से गांव की सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा।

ग्राम लोहरसी के बजरंग चौक, बस स्टैंड चौक, टिकरापारा चौक, मंगल बाजार चौक, शीतला चौक, सरस्वती चौक, शांति चौक और भवानी चौक सहित विभिन्न स्थानों पर शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। नौ दिनों तक इन



पंडालों में पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालु माता की आराधना में जुटे रहे। सुबह और शाम माता के दर्शन के लिए भक्तों की आवाजाही बनी रही। नवरात्रि के अंतिम दिन विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह के साथ भावुकता भी देखने को मिली। मां दुर्गा की विदाई के समय भक्तों ने जयकारे लगाते हुए उन्हें विदा किया। विसर्जन यात्रा में युवाओं सहित ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रामलीला मंचन के साथ हुआ रावण दहन, सांस्कृतिक एकता और अखंडता को जोड़ने का पर्व है दशहरा

रसेला। नगर में विशालकाय 25 फीट रावण के पुतले को राजा कोमर्रा और उनके सहयोगी द्वारा बनाया गया । शाम 8 बजे गांव के सभी देवी-देवताओं को सह सम्मान चंडी देवता के पास ले जाकर विधिः विधान से पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात राम, लक्ष्मण, हनुमान, विभीषण अंगद सभी चंडी देवता की आशिर्वाद लेकर मंच पर पहुंचे। वहीं रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद, अक्षय कुमार, मंत्री,दूत सहित राक्षसगण साज सज्जा के साथ मैदान पर उपस्थित हुए। फिर रामलीला नाटक का मंचन किया गया। जिसमें अक्षय कुमार, कुंभकर्ण, मेघनाद आदि वीरों संवाद के बाद रण में मारे गए। यह देख लंकापति रावण स्वयं युद्ध करने के लिए मैदान में आते हैं, राम व रावण में भयंकर युद्ध होता है मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने अग्निबाण चलाकर बुराई के प्रतीक लंकापति दशानन रावण को धराशाई किया। रावण का पुतला जल उठा और आसमान आतिशी नजरों और श्री राम के जयकारों से पूरा मैदान



गूंज उठा। हजारों लोगों की विशाल भीड ने इस पर्व का आनंद उठाया। रावण दहन के बाद लोग एक दूसरे को सोनपत्ती भेंटकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को देखने आसपास के गांवों से लोग भारी संख्या में आए हुए थे। पात्र निभाने वाले कलाकार राम गौरव ठाकुर,लक्ष्मण कुर्णल निषाद,सीता डुमेश ठाकुर,हनुमान निर्भय दास, अंगद अभय दास, विभीषण भुवेन्द्र, तथा रावण दल में लंकापति रावण डोमेश चौहान,कुंभकर्ण लिलेश सोरी, मेघनाद किसन दास, अक्षय कुमार रूद्र यादव, मंत्री दयानंद ध्रुव, सहयोगी के रूप में पाठ करने वाले हेमंत सिन्हा, पदमन, सुभम, भार्गव व अप्सरा के भूमिका अदा किया धनीराम यादव होटल वाले, वहीं संगीत पक्ष के कलाकारों ने समां बांध दिया नविश यादव और उसके सहयोगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राघवेन्द्र यादव, राजा कोमर्रा, युवराज यादव,भेखलाल मरकाम,सहित समस्त जागृति नवयुवक मंडल का सहरानी योगदान रहा।

बदलते मौसम में खानपान में भी रखें विशेष सावधानी

उत्तर से आ रही ठंडी हवा, 6 दिन में 5 डिग्री तक गिर सकता है पारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव का असर अब सुबह और शाम के तापमान पर दिखने लगा है। आगामी सप्ताह भर में दिन में जहां अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, वहीं रात का पारा अगले एक सप्ताह में 22 डिग्री से गिरकर 18 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। इससे दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ेगा और सुबह-शाम ठंड का अहसास तेज होगा।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं के चलते अलसुबह और देर शाम घर से बाहर निकलने वालों को ज्यादा ठंड महसूस हो सकती है। ऐसे में बदलते मौसम के बीच सेहत को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। सोमवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास रहा। आ गा मी पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार को 21, गुरुवार



को 20 और शुक्रवार को 19 डिग्री तक पहुंच सकता है। शनिवार को भी रात का पारा 19 डिग्री रहने की संभावना है, जबकि रविवार को इसके 18 डिग्री तक गिरने का अनुमान है। यानी सप्ताह की शुरुआत की तुलना में रात के तापमान में करीब 4 डिग्री की गिरावट होगी। रविवार के दर्ज तापमान से तुलना करें तो गिरावट 5 डिग्री तक पहुंच सकती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रसेला के चिकित्सक प्रज्ञेष देवांगन के अनुसार मौसम में इस तरह के उतार-चढ़ाव के दौरान शरीर को तापमान के अनुरूप ढलने में परेशानी हो सकती है। दिन में गर्मी और रात में ठंड के कारण सर्दी, खांसी, गले मेंखराश और संक्रमण जैसी समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है। पहले से सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। सर्दी के कोई भी लक्षण दिखे तो चिकित्सक से सलाह जरूर ले।चिकित्सकों की सामान्य सलाह है कि तापमान में गिरावट के दौरान सुबह और देर शाम बाहर निकलते समय गर्म कपड़े पहनें। एक मोटे कपड़े के बजाय जरूरत के अनुसार कपड़ों की कई परतें पहनना उपयोगी हो सकता है।

बदलते मौसम में संतुलित आहार लेना जरूरी है। भोजन में मौसमी फल, हरी सब्जियां और विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। अदरक और तुलसी वाली चाय जैसे गर्म पेय गले को आराम दे सकते हैं, लेकिन इन्हें किसी बीमारी का इलाज नहीं मानना चाहिए। पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या भी जरूरी है। यदि तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी या लगातार खांसी हो तो डॉक्टर से परामर्श लें। कुछ देर धूप में भी निकलें।

108 कुंडीय यज्ञ को लेकर गायत्री परिवार के सक्रिय ग्रुप की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

राष्ट्र शौर्य समृद्धि 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ नगर में 22 से 25 दिसंबर को होगा। जिसकी तैयारी तथा प्रचार प्रसार एवं कार्य को लेकर गायत्री मंदिर में प्रमुखों का बैठक हुई। बैठक में राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष पूर्व सांसद एवं शक्तिपीठ राजिम के ट्रस्टी चंदूलाल साहू,जिला संगठन प्रमुख गायत्री परिवार,रोमन चंद्राकर जिला समन्वयक टीकम राम साहू ,विक्रम मेघवानी108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष रामू राम साहू संरक्षक एच एल साहू,जगदीश साहू,रोशन साहू,देवेंद्र सिन्हा सहित गायत्री परिवार के प्रमुख पदाधिकारी एवं जिम्मेदार लोग उपस्थित रहे। सभी



देवांगन,श्रीमती मंजू लता हरित,श्रीमती संतोषी श्रीवास्तव,नरेंद्र चंद्राकर,गोविंद ने नगर में होने वाले 108 कुंडली गायत्री महायज्ञ के लिए तन मन धन से कार्य करने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

आर्केस्ट्रा देखने गए युवक के साथ मारपीट, चाकूबाजी

महासमुंद। ग्राम पुरूषोत्तमपुर में आयोजित आर्केस्ट्रा देखने गए एक युवक के साथ मारपीट के मामले में आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में अपराध दर्ज किया गया है। ग्राम चनाट का यश पटेल पिता कुंजन पटेल (17 वर्ष) 19 अक्टूबर की रात करीबन 2 बजे के आसपास में ग्राम पुरूषोत्तमपुर में आर्केस्ट्रा देखने गया था। पुरूषोत्तमपुर में वह यथार्थ पटेल ग्राम ढालम वाले के साथ प्रोग्राम देख रहा था, तभी प्रोग्राम में हो हल्ला शुरू हो गया, इस बीच यथार्थ पटेल के ग्राम पुरूषोत्तमपुर के लोग मारपीट कर रहे थे, जब उसने बीच बचाव किया, तो प्रेमप्रकाश साहू निवासी पुरूषोत्तमपुर, राज चंद्राकर निवासी जमदरहा, पवन साहू, टिकेश्वर साहू, डिगेश्वर साहू निवासी पुरूषोत्तमपुर एक राय होकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए यश के साथ मारपीट करने लगे। इसी बीच राज चंद्राकर अपने जेब से चाकू निकालकर मारने लगा तो बाएं हाथ में चोट आई। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 296,115 (2) 351(2).118 (1)191(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पुरानी बात को लेकर मारपीट

महासमुंद। ग्राम देवरी के एक व्यक्ति के साथ पुरानी बातों को लेकर मारपीट किए जाने के मामले में आरोपी के विरूद्ध बसना थाने में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। ग्राम देवरी का डाक्टर कुमार मिरी गांव में ही अपने ससुराल से वापस अपने घर पैदल आ रहा था, तभी गोठान के पास गांव का ननकी लाल खूंटे उसके स्वर्गीय पिता संत राम मिरी को पुरानी बात को लेकर गाली गलौज कर रहार था, जब उसने ननकीलाल को कहा कि मेरे पिताजी का स्वर्गवास हो गया है तो उनको क्यों गाली दे रहो, इस पर आरोपी न गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए डंडे से मारपीट की। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति घायल

महासमुंद। नगर पालिका के सामने बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति के घायल होने के मामले में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध सिटी कोतवाली में जुर्म दर्ज किया गया है। नयापारा निवासी संतोष पटेल पुलिस पेट्रोल पंप के पास 16 अक्टूबर को अपना खिलौना दुकान लगाने मोटर सायकल टीवीएस एक्सल क्रमांक सीजी 04 एमवाय 5370 से जा रहा था। शाम करीबन 04.45 बजे नगरपालिका महासमुंद के सामने पहुंच कर रोड पार कर रहा था, तभी बरौंडा चौक की ओर से आ रहे मोटर सायकल ग्लैमर क्र. सीजी 14 एमएस 2394 के चालक ने अपने वाहन को तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुये लाकर संतोष पटेल के मोटर साकल को सामने से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, घटना में संतोष के बांये पैर, सिर में चोंट लगी।

महुआ शराब बरामद

महासमुंद। पिथौरा पुलिस ने ग्राम ठाकुरदिया में एक व्यक्ति के कब्जे से महुआ शराब बरामद किया है। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद संदेही परसराम निषाद पिता अमरसिंह निषाद (46 साल) ठाकुरदियाखुर्द के घर बाड़ी से 12 लीटर हाथ भट्ठी से निर्मित देशी महुआ शराब कीमत 2400 रुपए को बरामद किया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

चाकू दिखाकर युवक के साथ मारपीट, धमकी

महासमुंद। ग्राम बड़ेसाजापाली में एक युवक को चाकू दिखाकर मारपीट और धमकी देने के मामले में बसना थाने में आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। हरदा नवागांव का मनीष साहू पिता रमेश साहू (18 वर्ष) 16 अक्टूबर को रात्रि करीबन 8 बजे दोस्त भारत साहू, मयंक साहू, नूतन यादव, आशीष साहू के साथ पैदल ग्राम बड़े साजापाली नाचा देखने गया था, रात्रि करीबन 09 बजे उसके गांव के कान्हा बाघ के साथ शुभम दास, राम दास के साथ आए और उसके कालर को पकड़कर खींचते तालाब की ओर ले गए।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की आठ में से 6 रेंज में मालाबार पाइड हॉर्नबिल की उपस्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले में स्थित प्रसिद्ध उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की उत्तर उदंती रेंज में हाल ही में गश्ती दल द्वारा दुर्लभ मालाबार पाइड हॉर्नबिल की उपस्थिति दर्ज की गई है। इस नवीनतम रिकॉर्ड के साथ अब यह पक्षी टाइगर रिजर्व की कुल 8 में से 6 रेंजों में दर्ज किया जा चुका है, जो पिछले चार वर्षों में इसके वितरण क्षेत्र के उल्लेखनीय विस्तार है। वर्ष 2022 तक इस खूबसूरत पक्षी के दर्शन मुख्य रूप से केवल कुल्हाड़ीघाट रेंज तक ही सीमित थे। इसके बाद पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण उदंती, अरसीकन्हार, तौरेंगा और इंदागांव रेंज में भी इसकी मौजूदगी दर्ज की गई। वर्तमान स्थिति यह है कि कुल्हाड़ीघाट और दक्षिण उदंती रेंज में यह पक्षी लगभग प्रतिदिन नजर आ रहा है। उत्तर उदंती रेंज में इसका नया रिकॉर्ड इसके ज्ञात वितरण क्षेत्र को और अधिक व्यापक बनाता है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा अपनी लैंडस्केप सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चलाए जा रहे निरंतर और कड़े अभियानों के परिणामस्वरूप संभव हो पाई है। रिजर्व प्रबंधन ने कड़े कदम उठाते हुए लगभग 1,000 हेक्टेयर वनभूमि को अवैध अतिक्रमण से पूरी तरह मुक्त कराया है। इसके साथ ही, वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए 500 से अधिक शिकारियों और वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। वन क्षेत्रों में अवैध शिकार रोकने, गश्त बढ़ाने, और गर्मियों के दिनों में वनाग्नि रोकथाम व नियंत्रण के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं।

वन्यजीव संरक्षण की बड़ी सफलता

वन पुनरुत्थान में हॉर्नबिल की भूमिका और आगे की राह

पर्यावरणविदों के अनुसार, मालाबार पाइड हॉर्नबिल वनों के पुनरुत्थान में बेहद अहम भूमिका निभाता है। यह पक्षी फल खाने के बाद बीजों का प्राकृतिक प्रसार करता है, जिससे जंगलों में नए पौधों के उगने और वृक्षों की विविधता को बढ़ावा मिलता है। टाइगर रिजर्व की छह रेंजों में इसकी उपस्थिति दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि कठोर प्रशासनिक कार्रवाई, आवास सुधार, वनाग्नि प्रबंधन और जन-भागीदारी का यह समन्वित मॉडल बेहद सफल साबित हो रहा है।



आवास सुधार और 'हॉर्नबिल रेस्टोरेंट' जैसी अनूठी पहल

रिजर्व प्रशासन ने आवास सुधार के लिए कई अभिनव प्रयास भी किए हैं। इनमें 'हॉर्नबिल रेस्टोरेंट' जैसी अनूठी पहल शामिल है, जिसके तहत जंगलों में विशेष रूप से फलदार वृक्षों के समूह विकसित किए जा रहे हैं। इससे हॉर्नबिल और अन्य फलाहारी पक्षियों को प्राकृतिक रूप से भरपूर भोजन आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों को इस संरक्षण अभियान से जोड़ने के लिए अनूठी पहल की गई है। स्थानीय ग्रामीणों को 'हॉर्नबिल ट्रैकर' के रूप में शामिल किया गया है।

समस्या : रायपुर-गरियाबंद-देवभोग-ओडिशा मार्ग पर बेतरतीब पार्किंग

ट्रैफिक जाम से लोग परेशान, चौक-चौराहों पर रोजाना घंटों से जूझ रहे हजारों वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

प्रसिद्ध धार्मिक और त्रिवेणी संगम नगरी राजिम में यातायात व्यवस्था इन दिनों गंभीर संकट से जूझ रही है। रायपुर-गरियाबंद-देवभोग-ओडिशा मुख्य मार्ग पर रोजाना गुजरने वाले हजारों वाहनों को भीषण ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मार्गों पर बेतरतीब पार्किंग, सड़कों तक फैली दुकानों और अतिक्रमण ने आम नागरिकों और राहगीरों का चलना मुहाल कर दिया है।नगर के प्रमुख हिस्सों जैसे पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक, पं. श्यामाचरण शुक्ल चौक, शिवाजी चौक, तहसील कार्यालय, गोवर्धन चौक, पुरानी पानी टंकी, दत्तात्रेय मंदिर और भक्तिन माता चौक पर दिनभर वाहनों का भारी दबाव बना रहता है। इसके अलावा छुरा मार्ग और गरियाबंद मार्ग पर भी आवागमन लगातार बाधित हो रहा है।

सड़क तक फैली दुकानें, घटी रास्ते की चौड़ाई- नगर की सड़कों के दोनों किनारों पर कई दुकानदारों ने अपना सामान सड़क तक फैला रखा है, जिससे मार्ग की चौड़ाई काफी कम हो गई है। ऐसे में जब वाहन गुजरते हैं, तो निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। सड़क किनारे खड़े होने वाले बेतरतीब वाहन इस समस्या को और विकराल बना देते हैं। इस अव्यवस्था के कारण न केवल रोज जाम लगता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी रहती है।

पुरानी पानी टंकी के पास लगने वाला हाट, जाम का कारण- गरियाबंद मार्ग पर स्थित पुरानी पानी टंकी के पास लगने वाला साप्ताहिक हाट इस व्यवस्था में जाम का कारण बन गया है। दोपहर दो बजे से रात आठ-नौ बजे तक चलने वाले इस हाट में खरीदारी करने आने वाले लोग अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं। दूसरी ओर, रायपुर और गरियाबंद की तरफ से आने-जाने वाले भारी और हल्के वाहनों का दबाव बना रहता है। जगह सिकुड़ जाने के कारण वाहन चालकों को घंटों मशक्कत करनी पड़ती है। हाट आने वाले खरीदारों की सुविधा के साथ-साथ सुगम यातायात बनाए रखने के लिए यहां व्यवस्थित पार्किंग और अलग स्थान की सख्त आवश्यकता है।



जिम्मेदार विभागों की चुप्पी पर उठे सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वे हर दिन जाम और हादसों के साये में जीने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यातायात पुलिस, नगर पालिका और स्थानीय प्रशासन को आपसी तालमेल से जल्द ही ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। नागरिकों ने मांग की है कि दुकानों की सीमाएं तय की जाएं, बेतरतीब पार्किंग पर सख्ती हो और हाट के लिए वैकल्पिक एवं खुला स्थान विकसित किया जाए ताकि राजिम की जनता को इस अंतहीन ट्रैफिक जाम से स्थायी मुक्ति मिल सके।

सोरिद खुर्द में दुर्गा प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन



हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

ग्राम सोरिद खुर्द में शारदीय नवरात्र के समापन पर मां दुर्गा की विसर्जन यात्रा भव्य रूप से आयोजित की गई। इस दौरान पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय और हर्षोल्लास से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। विसर्जन कार्यक्रम में जय मां रमई जस झांकी परिवार सोरिद खुर्द द्वारा प्रस्तुत आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकी में मां दुर्गा के नौ स्वरूप, माता काली का रौद्र रूप, त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु एवं भगवान शिवशंकर के दिव्य स्वरूपों का मनमोहक प्रदर्शन किया गया। वहीं भगवान शिव के गण नंदी, अघोरी, राक्षसों की टोली, बजरंगबली की विशालकाय तथा 12 फीट ऊंचे राक्षस के स्वरूप ने बच्चों सहित ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया। इन आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ झांकी परिवार ने माता विसर्जन यात्रा की अगुवाई की। पारंपरिक सेवा गीतों और धार्मिक प्रस्तुतियों से पूरा गांव भक्तिमय हो उठा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, सरपंच चंद्रहास बारिहा, जनपद सदस्य पुष्पलता सिन्हा, ग्राम प्रमुख श्रीराम ध्रुव, शिवचरण ध्रुव, चंद्रमनी सिन्हा, वेदराम नंदे, सत्रोहन सिन्हा, ओमप्रकाश चंद्राकर, टुकेश्वर साहू, बलराम निर्मलकर, मनोज सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, माताएं-बहनें, युवा एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

- जय मां रमई जस झांकी परिवार की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोहा



ध्रुव गोंड़ समाज में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया नवाखाई पर्व

मुड़ागांव(कोरासी)। ध्रुव गोंड़ समाज में पारंपरिक आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता के प्रतीक नवाखाई पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने अपने आराध्य देवी-देवताओं, कुलदेवी, बूढ़ादेव एवं इष्ट देवों की पूजा-अर्चना कर नई फसल अर्पित की तथा परिवार, गांव और समाज की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। नवाखाई पर्व गोंड़ समाज की कृषि संस्कृति और प्राचीन परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण त्योहार है। नई फसल के आगमन पर मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्न के सम्मान और किसानों की मेहनत का प्रतीक है। समाज की परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना के बाद नई उपज ग्रहण करने की रस्म निभाई जाती है। पर्व के दौरान धार्मिक आस्था के साथ पूर्वजों की परंपराओं का स्मरण किया गया। यह त्योहार समाज के लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करता है।

नवाखाई पर्व नई पीढ़ी को अपनी लोकसंस्कृति, रीति-रिवाजों और पारंपरिक मान्यताओं से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पर्व जल, जंगल, जमीन और प्रकृति के संरक्षण के साथ अन्न की महत्ता को समझने का संदेश भी देता है। इस अवसर पर समाजजनों ने अच्छी फसल, परिवारों की खुशहाली और समाज की निरंतर उन्नति की कामना की। नवाखाई पर्व ने परंपरा, संस्कृति, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

मुड़ागांव में धूमधाम से मनाया नवाखाई पर्व, नई फसल अर्पित कर पुरखा शक्ति का किया स्मरण

मुड़ागांव में गोंड़ समाज ने धूमधाम से मनाया नवाखाई, नई पीढ़ी ने भी निभाई सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

ग्राम मुड़ागांव में मंगलवार को आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज द्वारा संयुक्त रूप से नवाखाई पर्व धूमधाम एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के बच्चे, युवा, बुजुर्ग सहित सभी समाजजन आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। समाजजनों ने बाजे-गाजे के साथ बूढ़ादेव एवं काली कंकाली कोरिया पाठ की पूजा-अर्चना कर नई फसल अर्पित की तथा परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। समाज प्रमुख अवध राम कुंजाम ने बताया कि समाज के लोग पुरखा शक्ति में आस्था रखते हुए सदियों से चली आ रही परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार नवाखाई पर्व मनाते आ रहे हैं। खुशी की बात है कि आज की युवा पीढ़ी भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझते हुए इन परंपराओं का निर्वहन कर रही है।

नवाखाई गोंड़ समाज के प्रमुख पारंपरिक पर्वों में से एक है। यह पर्व नई फसल के आगमन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक है। इस अवसर पर खेतों में उपजी नई फसल को पारंपरिक विधि से तैयार कर देवी-देवताओं, कुलदेवी, बूढ़ादेव, इष्टदेव एवं देव-पितरों को अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना के बाद गुड़ और चिवड़ा का प्रसाद तैयार किया गया, जिसे समाजजनों ने पारंपरिक रूप से कोरिया पत्ता में ग्रहण किया। इस परंपरा के माध्यम से पूर्वजों के प्रति सम्मान और नई फसल के लिए आभार व्यक्त किया गया। पर्व के दौरान समाजजनों ने एक-दूसरे को नवाखाई की बधाई देते हुए आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नवाखाई जैसे पारंपरिक त्योहार नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन सहदेव नेताम, रीखीराम नेताम, भगोलीराम नेताम, यादराम नेताम, पुरानिक नेताम, झूमसिंग नेताम, अर्जुन नेताम, मुलसिंग नेताम, चेतन सिंह नेताम, हेम कुमार नेताम, भोजराम नेताम, गजेश्वर कुंजाम, बिरझूराम पोडेटी, विजय पोडेटी, जगन छेदैया, गजेंद्र कुमार छेदैया, गाविल छेदैया, ओंकार नेताम, खिलेश्वर नेताम, योगेन्द्र नेताम, जनक नेताम सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।



विलुप्त होती लोकसंस्कृति के संरक्षण, नौ जलकुंडों की पहचान और जामवंत दादा की तपोस्थली को जन-जन तक पहुंचाने की पहल

दसकुंड महोत्सव 2026 का नौ दिवसीय वन देवी यज्ञ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव/कोरासी

गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत केडीआमा रमनपुर के प्रसिद्ध दसकुंड क्षेत्र में 11 से 19 अक्टूबर तक आयोजित नौ दिवसीय 'दसकुंड महोत्सव 2026' और वन देवी यज्ञ का भव्य समापन हो गया है। धार्मिक आस्था, लोककला, पारंपरिक खानपान और सामुदायिक सहभागिता से भरपूर इस ऐतिहासिक आयोजन ने क्षेत्र की विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को राष्ट्रीय व प्रांतीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाई है। सिद्धेश्वरी वन देवी मंदिर, सुरंग पानी धाम और पौराणिक जामवंत दादा की तपोस्थली से जुड़ा यह महोत्सव लोकपरंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक मिल का पत्थर साबित हुआ है।

दसकुंड क्षेत्र अपनी भौगोलिक और पौराणिक विशेषताओं के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। यहां की मुख्य पहचान नौ पवित्र जलकुंडों और एक अग्निकुंड से जुड़ी स्थानीय मान्यताओं के कारण है। इन जलस्रोतों में जाम पानी, सुरंग पानी, माहुर पानी, आंवरा पानी, सेम्हर पानी, कुडेरा पानी, कुर्रु पानी, गोइंदला पानी और कुसुम पानी शामिल हैं। खास बात यह है कि भीषण गर्मी के मौसम में भी इनमें से कई जलकुंडों में पानी का बने रहना शोध का विषय है। इन प्राकृतिक जलस्रोतों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण क्षेत्र की जल-संरचना को समझने में मददगार साबित हो सकता है। वहीं, दूसरी ओर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बना 'अग्निकुंड' इस क्षेत्र के आध्यात्मिक महत्व को और बढ़ाता है।

जामवंत दादा की तपोस्थली और 100 किलो की 'अंगाकर पान रोटी'- दसकुंड के घने जंगलों में स्थित रामायणकालीन परंपराओं से जुड़ी जामवंत दादा की तपोस्थली और लगभग 12 किलोमीटर लंबी रहस्यमयी गुफा व सुरंग इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन पुरातात्विक और पौराणिक स्थलों का व्यवस्थित सर्वेक्षण होने से क्षेत्र के इतिहास के कई अनछुए पहलू सामने आ सकते हैं। महोत्सव के दौरान पंचमी तिथि पर तैयार की गई 100 किलोग्राम की विशाल अंगाकर पान रोटी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसे वन देवी को भोग के रूप में अर्पित किया गया। यह अनूठी पहल छत्तीसगढ़ की प्राचीन खानपान संस्कृति, ग्रामीण जीवनशैली और सामूहिक श्रम (सामुदायिक एकता) का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करती है।

पर्यटन की अपार संभावनाएं और भविष्य की राह- दसकुंड क्षेत्र के जलकुंड, सिद्धेश्वरी वन देवी मंदिर और सुरंग पानी धाम धार्मिक एवं इको-पर्यटन की अपार संभावनाएं समेटे हुए हैं। यदि इन स्थलों का विधिवत दस्तावेजीकरण और विकास किया जाए, तो यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में शुमार हो सकता है। नौ दिवसीय इस सफल आयोजन ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि अपनी जड़ों और लोकपरंपराओं को सहेजकर ही हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रख सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों तक इसे गर्व के साथ पहुंचा सकते हैं।





लोककला की प्रस्तुतियां और संस्कृति का संरक्षण- महोत्सव के मंच पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति पूरी भव्यता के साथ जीवंत हो उठी। रामधुनी कसेसेरुडीह, फुलझर की पंडवानी घटाराणी, मानस मंडली सेमराडीह, जय महातारी कसुरुडीह, और गुरुकृपा पंडवानी जैसे प्रसिद्ध सांस्कृतिक दलों ने अपनी कला से समां बांध दिया। सुआ, कर्मा, राउत नाचा, पंथी, पंडवानी, मरथरी और जसगीत जैसी पारंपरिक विधाओं के माध्यम से कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति की बानगी पेश की। कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार यादव ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि आधुनिकता की दौड़ में विलुप्त हो रही लोककला, जनश्रुतियों और पारंपरिक जीवनशैली को सहेजना है। महोत्सव के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता रूपसिंग साहू ने विकास समिति को 25 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग देकर इस धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान को मजबूती प्रदान की।

खबर संक्षेप



नवरात्रि पर शीतला मंदिर परिसर में किया पौधरोपण

नवापारा-राजिम। नवरात्रि के पावन अवसर पर शीतला मन्दिर परिसर तालाब किनारे नीम एवं गुलमोहर का पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, पालिका उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सोनी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष नागेन्द्र वर्मा, एल्डरमैन गुलाब राव, मुकुन्द मेश्राम, भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष धीरज साहू, रूपेंद्र चन्द्राकर, मुकेश निषाद, राजेश यादव, बबलू विश्वकर्मा, डिगेश्वर साहू, प्रिया मेश्राम, ऋतु वर्मा, किरण राव, रेवती सेन, ललिता सेन, रामबाई ध्रुव सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

सेंदबाहरा में डीजे डांस प्रतियोगिता आज

रसेला। दशहरा पर्व के पावन अवसर पर ग्राम सेंदबाहरा में बुधवार को रात्रिकालीन डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में सामूहिक, युगल एवं एकल नृत्य की विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागी अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। तीनों श्रेणियों में मिलेंगे आकर्षक पुरस्कार आयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सामूहिक नृत्य की प्रवेश शुल्क 200, युगल नृत्य की 150 तथा एकल नृत्य की 100 निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक राम ध्रुव होंगे।वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरा के सदस्य नारायण सिन्हा, विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सेम्हरा की सरपंच ललिता कंवर एवं मलेवा अंचल कांग्रेस जोन के उपाध्यक्ष दयालु राम कुंजाम, विशेष अतिथि के रूप में लघु वनोपज समिति टेंगनाबासा के अध्यक्ष चमारसिंह नागेश, आकाश कृषि सेवा केंद्र छुरा के मोहेन्द्र सिन्हा, सेम्हरा के ठाकुर राम चन्द्राकर, सामाजिक कार्यकर्ता पुनितराम ठाकुर, डोलाबाई नागेश, थानेश्वर सोरी, ग्राम पटेल गोहन सिंह नागेश, शाखाराम नागेश, खामसिंग सोरी एवं ग्राम प्रमुख राधेश्याम ठाकुर शामिल होंगे।

परसकोल एवं लाफिनकला में दुर्गा की विदाई समारोह में शामिल हुए तुषार

महासमुंद। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम परसकोल एवं लाफिन कला में मां दुर्गा के विदाई कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशवंत तुषार साहू शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान अशवंत तुषार साहू ने भक्तिमय वातावरण में माता रानी का जस गीत गाकर मां दुर्गा की आराधना की। जस गीतों और माता रानी के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। उपस्थित श्रद्धालु भी भक्ति और उत्साह में सराबोर नजर आए। मां दुर्गा की विदाई के अवसर पर ग्रामवासियों ने नम आँखों से माता रानी को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः पधारने की कामना की।

पर्व : 12 चौक-चौराहों से निकलीं माता रानी की शोभायात्रा

पांडुका में पारंपरिक उल्लास के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

राजिम अंचल के बड़े गांव पांडुका में विजयादशमी के अवसर पर माता रानी की विदाई का नजारा आस्था, उल्लास और सामाजिक समरसता का अदभुत संगम बन गया। पूरे गांव के 12 चौक-चौराहों और मोहल्लों में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमाएं परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ एक-एक कर गांधी चौक पहुंचीं। ढोल-नगाड़ों, बाजे-गाजे और जयकारों के बीच निकली शोभायात्राओं ने पूरे गांव को भक्तिमय बना दिया। गांधी चौक में जब अलग-अलग मोहल्लों की प्रतिमाएं एकत्र हुईं, तो ऐसा लगा मानो पूरा गांव अपनी आराध्य देवी को अंतिम विदाई देने के लिए उमड़ पड़ा हो। पांडुका की यह परंपरा केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव की एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक सदभाव की जीवंत पहचान भी है।

- गांधी चौक में जुटा पूरा गांव, बाजे-गाजे के साथ पनखत्ती तालाब पहुंचीं प्रतिमाएं



गांधी चौक से पनखत्ती तालाब तक उमड़ा जनसैलाब- गांधी चौक में पूजा-आरती के बाद माता रानी की प्रतिमाओं को कुम्हारपारा होते हुए पनखत्ती तालाब ले जाया गया। रास्तेभर भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, वहीं महिलाएं और मातृशक्तियां बड़ी संख्या में शोभायात्रा में शामिल होकर देवी मां के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर रही थीं। कलारपारा से निकली माता रानी की शोभायात्रा का भी जगह-जगह स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृशक्तियों की सहभागिता ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। पनखत्ती तालाब पहुंचने पर विदाई से पहले माता रानी की विधिवत आरती की गई।

इस अवसर पर गांव के प्रत्येक परिवार के सदस्यों ने माता रानी की आरती उतारकर पूजा-अर्चना की और गांव की इस पारंपरिक



धार्मिक गतिविधि में सहभागिता निभाई। आयोजन में गांव के विभिन्न मोहल्लों के लोगों की भागीदारी ने यह संदेश दिया कि धार्मिक आस्था जब सामूहिकता से जुड़ती है, तो वह समाज को जोड़ने का माध्यम बन जाती है।

परंपरा में बसती है गांव की एकता- पांडुका में विजयादशमी पर माता रानी की विदाई का यह आयोजन गांव की सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक चेतना का प्रतीक है। 12 चौक-चौराहों से निकलकर गांधी चौक में एकत्र हुईं प्रतिमाएं इस बात की गवाह बनीं कि मोहल्ले अलग हो सकते हैं, लेकिन आस्था और अपनापन सभी को एक सूत्र में बांधते हैं। विसर्जन के दौरान गांव की मातृशक्तियों की व्यापक उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।



नम आँखों से दी माँ दुर्गा को विदाई



मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में शारदीय नवरात्रि पर्व के समापन अवसर पर आज सर्वत्र भक्ति और श्रद्धा का माहौल छाया रहा नगर के सार्वजनिक पूजा पंडाल में विराजित माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का वैदिक मंत्रेच्चार एवं पूरी निष्ठा व विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना कर विसर्जन किया गया। इसके साथ ही तालाबों में जवारा विसर्जन का दौर भी देर शाम तक अनवरत चलता रहा। आज सुबह से ही सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति मैनपुर द्वारा एंव श्रद्धालुओं द्वारा माँ दुर्गा की विशेष महाआरती की गई। तत्पश्चात बाजे–गाजे, ढोल–नगाड़ों और जय माता दी के गगनभेदी जयघोष के साथ शोभायात्र निकाली गई। माता रानी के दर्शन के लिए मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शोभायात्र नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए स्थानीय तालाब पहुँची, जहाँ पंडित नंदकिशोर चौबे द्वारा विधि–विधान से पूजा संपन्न कराई गई। इसके बाद पूर्ण सम्मान व श्रद्धा के साथ प्रतिमा को जल में प्रवाहित किया गया। वही मैनपुरकला, धवलपुर, नवागढ़, शोभा, इदागांव, अमलीपदर, गोहरापदर, उरमाल में भी विधि विधान के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया।



मां काली मंदिर में टेका माथा विधायक इंद्रकुमार



नवापारा-राजिम। विधायक इंद्रकुमार साहू सोमवार को नवापारा शहर पहुंचे। उन्होंने मां काली मंदिर सहित देवी मंदिरों में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और संपूर्ण अभनपुर विधानसभा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की मंगल कामना की। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी- संजय साहू, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। देवी मंदिरों में दर्शन के दौरान श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। विधायक साहू ने पूरे क्षेत्र की सुख समृद्धि की मंगल कामना किया। विधायक इन्द्रकुमार का स्वागत काली मंदिर समिति के अध्यक्ष मेघनाथ साहू ने किया। विधायक साहू ने प्रसादी वितरण भी किया।

घटारानी धाम में विधायक रोहित साहू ने की पूजा अर्चना, सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा-बेलर

शारदीय नवरात्र के नवमी पर्व पर प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल पहाड़ी वाली माता रानी घटारानी में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। इस अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू ने अपनी धर्मपत्नी भुनेश्वरी साहू, बेटी पायल साहू तथा जिला पंचायत सभापति शिवांगी चतुर्वेदी सहित परिवार के साथ माता रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। नवरात्र के अंतिम दिन नवकन्या पूजन एवं विसर्जन पर्व के अवसर पर घटारानी धाम में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिला। पहाड़ी पर स्थित माता रानी के दरबार में भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। घटारानी पहुंचने पर मंदिर समिति एवं स्थानीय लोगों ने विधायक रोहित साहू का स्वागत किया। इस दौरान उन्हें माता रानी की पट्टी, रोली-चंदन एवं माता की तस्वीर भेंटकर सम्मानित किया गया। स्वागत एवं सम्मान के अवसर पर तारन ध्रुव, उखराज सिन्हा, बाबूलाल, पवन, ईश्वर, दुर्गा, हेमंत



नवमी पर्व पर घटारानी में भक्ति और विकास का संगम

वर्मा, परमेश्वर गंधर्व, परमेश्वर दीवान, हिराधर सिन्हा, हरिश्चंद तारक, धनेश्वर, पंकज निर्मलकर, थनेश्वर मंडावी, जितेंद्र, तोरन यादव, खेमू, गजेश्वर सिन्हा, मलेच ध्रुव, सागर, सोनबाई, छेरकू, केशर, लोमिन, चंद्रिका, राजकुमार यादव, सोनसीर, दुलारी एवं देवकी सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान विधायक रोहित साहू ने सिरजन कला मंच की मांग पर स्वीकृत सात लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। भवन निर्माण से स्थानीय कलाकारों एवं ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक आयोजनों के लिए सुविधा मिलने की उम्मीद है। नवरात्र के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था के साथ विकास कार्य की शुरुआत भी हुई। इससे घटारानी क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा।

गायत्री शक्तिपीठ राजिम में हुआ पांच कुंडीय महायज्ञ

राजिम। गायत्री शक्तिपीठ राजिम में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और 'सर्वे भवन्तु सुखिन' के भाव के साथ विश्व कल्याण की कामना करते हुए यज्ञ कुंड में आहुति दी। महायज्ञ का शुभारंभ दिव्य वातावरण के बीच आचार्य तुलाराम, लक्ष्मी साहू एवं वैभव साहू के संगीत की मधुर धुनों और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस पांच कुंडीय महायज्ञ का कुशल संचालन मां भगवती महिला मण्डल राजिम की हेमलता साहू, ओमीन साहू, लुकेश्वरी दीवान द्वारा कराया गया। पूर्व सांसद एवं मुख्य प्रबंध ट्रस्टी चंदूलाल साहू ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति की वह महान परंपरा है, जो व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा और समाज में सदभाव का संचार करती है। कहा कि ऐसे आयोजनों से वैचारिक क्रांति और नैतिक मूल्यों का पुनरुत्थान होता है, जिससे हमारा समाज सुसंस्कृत बनता है। जिला समन्वयक टीकम साहू ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज के भौतिकवादी युग में गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे। रचनात्मक



और आध्यात्मिक अभियान मनुष्य को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यज्ञ और साधना के माध्यम से युवाओं और नई पीढ़ी को संस्कारित करने पर विशेष बल दिया। विक्रम मेघवानी ट्रस्टी ने कोमा में निर्माणाधीन देव संस्कृति विद्यालय के बारे में जानकारी दी। आभार व्यक्त करते हुए शिक्षक एवं ट्रस्टी संतोष साहू ने महायज्ञ को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, महिला मंडल की बहनों और प्रबुद्धजनों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में शांता-चंदूलाल साहू, चंद्रलेखा-पवन गुप्ता, दीपा-संतोष साहू, गीतांजलि-खिलेश्वर साहू, जागृति-शैलेन्द्र साहू, सीता-रामकुमार साहू, प्रीति-अमृत साहू, रूखमणि-गेंदलाल सेन, सरोज-रमेश साहू, सीतू-संतराम ध्रुव, महेश्वरी शेखलाल, साधु निषाद, प्रभुनंद चंद्राकर, पूरन साहू, पूर्णिमा साहू, सरिता यदु, पुरुषोत्तम दीवान, तोरण साहू, हिमांशु साहू, समीर, तोषनी साहू,सुनीता, रश्मि, रमा साहू उपस्थित रहे।

बेलर में विसर्जन पर विशेष सांग बाना का आयोजन

छुईहा बेलर। सिद्धिविनायक चौक बेलर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सिद्धिविनायक चौक समिति द्वारा शारदीय नवरात्र पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माता रानी की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं प्रातः संध्या वंदना की गई। महाष्टमी हवन एवं महानवमी के पावन अवसर पर नौ कन्या भोज का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कन्याओं का पूजन कर माता रानी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। नवरात्र पर्व के दौरान सिद्धिविनायक चौक, शारदा चौक, बजरंग चौक, मौली चौक, शिव चौक, बढ़देबाबा चौक, में भक्तिमय वातावरण बना रहा। समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना में



सहभागिता निभाई। सभी नौ कन्या भोज कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष खेमराज साहू सहित पंडा चोवा राम साहू, जुगेश यादव, भीम साहू, नीलकंठ साहू, चंद्रप्रकाश सिन्हा, गिरधारी साहू, जितेंद्र साहू, विक्रम साहू, पोहत साहू, टामेश्वर साहू, शिवम सिन्हा, सजेश साहू, रवि साहू, शुभम सिन्हा, परीक्षित यादव, डिगेश्वर साहू, गुलशन, रवि सिन्हा, पिंटू साहू, वेद प्रकाश साहू एवं रेखराज साहू सहित समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। विसर्जन के दौरान ग्राम बेमचा, जिला महासमुंद से जय मां काली सांग बाना का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

अरंड में दुर्गा प्रतिमा का हुआ विसर्जन





हरिभूमि न्यूज ⏭ अरंड (पिथौरा)

ग्राम अरंड में नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना करने के बाद मंगलवार को मां दुर्गा प्रतिमा एवं ज्योत ज्वांरा का तालाब में विसर्जन किया गया। सुबह 8 बजे गांव में विसर्जन यात्रा निकाल गई। मंडलियों द्वारा जस गीत की प्रस्तुति देते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया गया। इसके बाद तालाब के पहुंची। जहां आरती के बाद तालाब में दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस मौके पर जय महावीर दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष दिगंबर पटेल, उपाध्यक्ष अजय पटेल, कोषाध्यक्ष रूपेंद्र, सचिव राम अवतार ध्रुव, डेमन विक्की साहू, हुसन निर्मलकर, खूबचंद दुबे, विश्वनाथ ध्रुव, उपसरपंच युवराज पटेल, शिवचरण ध्रुव, कौतूक पटेल, कार्तिक राम पटेल, देवराज सिंह ठाकुर, हुसन लाल निर्मलकर, दिनेश दुबे, गंगाधर समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु व ग्रामीणजन मौजूद रहे।



RATNA_BHOOMI_21_2026-04_Layout 1 10/21/2026 12:03 AM Page 1

खबर संक्षेप

अंडर-19 क्रिकेट टीम में युवराज और अन्त दुबे का चयन



नवापारा-राजिम। क्षेत्र के दो होनहार खिलाड़ियों और अभिन्न मित्रों ने क्रिकेट के मैदान में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। युवराज दास मानिकपुरी ग्राम कुर्रा का चयन अंडर-19 क्रिकेट टीम जिला महासमुंद के लिए हुआ है, वहीं उनके दोस्त अनंत दुबे नवापारा का चयन अंडर-19 क्रिकेट टीम जिला धमतरी के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ियों के इस शानदार चयन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस दोहरी सफलता पर उनके सभी गुरुजनों, वरिष्ठ खिलाड़ियों, मित्रों और परिवारजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बधाई दी है।

पतोरा में आज होगा दशहरा उत्सव

छुईहा-बेलर। फिंगेश्वर क्षेत्र के ग्राम पतोरा में दशहरा महोत्सव 2026 का आयोजन आज होगा। पर्व को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। दशहरा के शुभ अवसर पर रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत जय अंबे छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी निचेकोहड़ा की प्रस्तुति आयोजित की जाएगी। सरपंच सुरज भारती, पुर्व सरपंच उदे राम साहू ने कहा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोककला और पारंपरिक नाचा की प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया जाएगा। दशहरा महोत्सव को लेकर आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। यह आयोजन ग्रामीणों के लिए उत्सव, मनोरंजन और आपसी मेल-मिलाप का अवसर बनेगा।

आध्यात्मिक ज्ञानयुक्त विजयदशमी पर्व मनाया

महासमुंद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान पांच दिवसीय मनमोहक चैतन्य देवियों की झांकी के सफल समापन के पश्चात तुमगांव रोड स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र उपकार भवन में ब्रम्हाकुमार भाई बहनों द्वारा आध्यात्मिक ज्ञानयुक्त विजयदशमी पर्व मनाया गया। सेवाकेंद्र संचालिका ब्रम्हा कुमारी प्रीति ने नवरात्रि और विजयदशमी के राज खोलते हुए बताया कि जब कलियुग के अंतिम क्षणों में हम मनुष्य आत्माएं जन्म मरण का चक्कर लगाते लगाते निर्बल अशांत और शक्तिहीन हो जाती है और काम क्रोध लोभ मोह अहंकार बुराई रुपी राक्षसों के जाल में फंस जाती है, तब वह निराकार ज्योति स्वरूप परमपिता परमात्मा कलियुग के अन्त पुरुषोत्तम संगम युग में अपने बच्चों को इन पांच भयंकर बुराइयों से मुक्त करने अपना धाम परमधाम छोड़ कर इस भौतिक लोक में आते हैं और सहज राजयोग की शिक्षा द्वारा अष्ट शक्तियों की प्राप्ति कराते हैं अर्थात अज्ञानता की नींद से जगाते हैं। हर आत्मा को चैतन्य ज्योति शक्ति स्वरूप का पाठ पढ़ाते है और संपन्न और संपर्ण निर्विकारी बनाते है। इसी का यादगार पर्व नवरात्रि होता है और उन पांचों विकारों पर संपूर्ण विजय प्राप्त कर उसका दहन करते हैं तब उस दहन का यादगार दशहरा पर्व पड़ता है अर्थात जो पांच विकार स्त्री और पांच विकार पुरुष में है वहीं वास्तविक में रावण के दस शीश कहलाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सच्चा दशहरा पर्व मनाने लिए हर हाल में इन पांच बुराईयों पर संपूर्ण विजय प्राप्त करने की प्रतिज्ञा लेनी ही होगी।

उखरा में कल मनाया जाएगा दशहरा पर्व

नर्रा। विकासखंड बागबाहरा के अंतर्गत ग्राम उखरा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा पर्व 22 अक्टूबर गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर दर्शकों के मंनोरजंन के लिए रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी नाच गम्मत का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की प्रसिद्ध लोककला मंडलियों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। उगता सूरज कला कुंज नाच पार्टी कुरचुंडी पिलसीपानी बसना एवं जय मां शारदा छत्तीसगढ़ी नाच पार्टी कुसमी साल्हेभाटा ने अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजक समिति ने ग्रामीणों एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

पर्व : नगर पालिका अध्यक्ष महेश बोले: मां महामाया राजिम की आराध्य शक्ति

मां महामाया मंदिर में महाष्टमी हवन की पूर्णाहुति नगर की खुशहाली के लिए लोगों ने की प्रार्थना

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

छत्तीसगढ़ के प्रयागराज राजिम के प्राचीन एवं श्रद्धा के प्रमुख केंद्र मां महामाया मंदिर में महाष्टमी का हवन पूरे विधि-विधान, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। हवन के दौरान पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और माता रानी के जयकारों से गुंजायमान रहा। सुबह से ही मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। जैसे-जैसे हवन का समय आगे बढ़ा, वैसे-वैसे भक्तों की भीड़ बढ़ती गई। बड़ी संख्या में मातृशक्तियों और देवी भक्तों ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर मां महामाया से परिवार, समाज और समूचे नगर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, मंदिर समिति के अध्यक्ष लिलेश्वर यादव सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कराने वाले भक्तों ने भी हवन में शामिल होकर विधि-विधान से आहुति अर्पित की। हवन में आहुति देने और सांकला डालने के लिए देर शाम तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मां महामाया के प्रति लोगों की अटूट आस्था और विश्वास ने पूरे राजिम नगर को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने नगरवासियों को महाष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां महामाया राजिम की आराध्य देवी हैं। यह प्राचीन मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि नगर की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। पीढ़ियों से नगरवासी मां महामाया के चरणों में शीश नवाकर अपने परिवार और समाज के कल्याण की कामना करते आ रहे हैं। मां के प्रति यही अटूट श्रद्धा राजिम की धार्मिक पहचान को और अधिक मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि महाष्टमी के पावन अवसर पर हवन में शामिल होकर मां महामाया के समक्ष शुद्ध मन और सच्ची श्रद्धा से प्रार्थना करना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मां की आराधना हमें सकारात्मक ऊर्जा, साहस और जनकल्याण की भावना प्रदान करती है। उन्होंने माता रानी से प्रार्थना की कि मां महामाया की कृपा समूचे राजिम नगर पर सदैव बनी रहे। नगर का प्रत्येक परिवार सुखी और समृद्ध हो, सभी के जीवन में शांति और खुशहाली आए तथा आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सदभाव निरंतर मजबूत होता रहे। श्री यादव ने कहा कि राजिम की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं हमारी अनमोल धरोहर हैं। इन परंपराओं को सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मां महामाया के प्रति श्रद्धा हमें एकजुट करती है और समाज के कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कामना किया कि मां महामाया के आशीर्वाद से राजिम विकास, समृद्धि और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करे। महाष्टमी के हवन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता रानी के जयकारों के साथ नगर के कल्याण की प्रार्थना की। भक्तिमय वातावरण में संपन्न इस धार्मिक अनुष्ठान ने राजिम की सामाजिक समरसता को मजबूत किया।



ये हुए शामिल

हवन में पुजारी बलदाऊ सिंह ठाकुर,नीरज सिंह ठाकुर, पं विजय शर्मा,नगर पंचायत अध्यक्ष महेश यादव,लीलेश्वर यादव,रामकुमार साहू, फागु निषाद, नरेंद्र ठाकुर, रामनारायण शर्मा, विकास तिवारी,साधु निषाद, बाल्मीकी धीवर,पवन सोनी,रमेश साहू, जितेंद्र सोनी ,सुनील तिवारी,शेषनारायण धीवर, संजय सोनी, उत्सव महोबिया, लखन निर्मलकर,रामकुमार साहू,नरेंद्र ठाकुर,फागु निषाद,लखन निर्मलकर ,संजय ठाकुर ,गोपाल निषाद ,गौरव ठाकुर, शत्रुहन निर्मलकर,विमल निषाद, विक्की साहू,सुनील देवांगन, रामप्रताप साहू ,वासुदेव निषाद, साधु निषाद,सुनील गुप्ता,अनिल गुप्ता, राजू साहू, भागवत साहू,भवानीशंकर साहू, भागवत साहू सहित बड़ी संख्या में देवी मां के भक्त शामिल हुए।

पीढ़ियों से चली आ रही पारिवारिक परंपरा का किया निर्वहन मां दुर्गा के जसगीत और भजनों से भक्तिमय हुआ माहौल

छुईहा-बेलर। ग्राम छुईहा में शारदीय नवरात्रि पर्व का समापन सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। इस अवसर पर ध्रुव परिवार द्वारा अपने निज निवास में नौ दिनों तक प्रज्वलित अखंड ज्योति तथा बोए गए गेहूं-जौ के जोत-जंवारा का भव्य शोभायात्रा निकालकर शीतला माता नदी घाट पर विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में परिवार के सदस्यों और ग्रामवासियों एवं जस गीत सेवा मंडली संगीत मय की उपस्थिति रही। देवी मां की विदाई के समय श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण मन से पूजा-अर्चना कर सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा।

ध्रुव परिवार में यह परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। परिवार के दुखु राम, तीज राम, वीरेंद्र, जमुना, गोदावरी, बालमुकुंद, यशोदा, बेनीराम, लता ध्रुव, अवधराम, सतरूपा, खानेश्वर और गायत्री ध्रुव सहित सैकड़ों परिवार के सदस्यों ने नवरात्रि के दौरान विधि-विधान से माता की आराधना की। 10 से 19 अक्टूबर तक चले इस धार्मिक आयोजन में नौ दिनों तक अखंड ज्योति प्रज्वलित रही और श्रद्धालुओं ने माता की सेवा-पूजा की। आयोजन से जुड़े परिवार सदस्य तीज राम ध्रुव और वीरेंद्र ध्रुव ने कहा कि पीढ़ियों से चली आ रही इस पारिवारिक परंपरा को निभाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। इससे नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों, धार्मिक आस्था और पारिवारिक संस्कारों से जुड़ी रहती है। उन्होंने कहा कि जोत-जंवारा को सुख, समृद्धि और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। अनेकों ने माता की शक्ति सिरहा चढ़कर अपनी भक्ति प्रगट की इस बिच गायक चैतू राम तारक, बृज सिन्हा, किसन सिन्हा और ओमप्रकाश सिन्हा, सहित अन्य गायकों ने माता की महिमा का गुणगान किया। वहीं मांदर वादन में पुरुषोत्तम ध्रुव, पवन सिन्हा, पुरानिक सहित अन्य सहयोगियों ने अपनी प्रस्तुति से धार्मिक उत्साह जोश बढ़ाया।

शोभायात्रा के पश्चात ग्राम छुईहा के पावन शीतला माता घाट पर बहती नदी की जलधारा में जंवारा का विसर्जन किया गया। इस दौरान परिवार के सदस्यों और ग्रामवासियों ने नम आंखों से माता को विदाई दी तथा अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की।



श्रद्धा और भक्ति के साथ जोत-जंवारा का विसर्जन

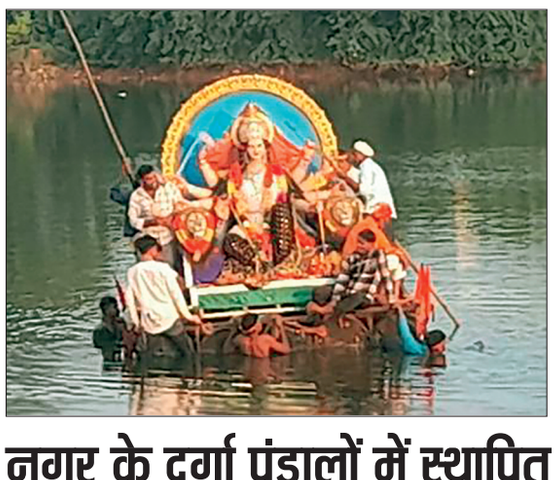

नगर के दुर्गा पंडालों में स्थापित माता की मूर्तियों का विसर्जन



हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

नगर मे 20 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन नगर के दुर्गा पंडालों मे स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं की शोभायात्र निकालकर नगर में विराजित दुर्गा माता की प्रतिमाओं का एक के बाद एक मौलीमाता तालाब मे पूजा अर्चना कर नम आंखों से विसर्जन कर बिदाई दी गई।

इसके पहले एक एक दुर्गा पंडालों से माता दुर्गा की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर चार पाहिया वाहनों में बिठाकर नगर में बाजे गाजे डीजे की धुन में सेवा एवं सांग गीत के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्र में बाना लिये युवकों का नृत्य बहुत ही शानदार रहा। इस नृत्य को देखने सड़क पर ही लोगों का भीड़ लगी रही। लोग माता की शोभायात्रा में पूजा अर्चना कर अंतिम दर्शन किए। माता की प्रतिमा के साथ समिति के लोगों द्वारा प्रसादी वितरण भी किया जाता रहा। यातायात एवं शांति व्यवस्था के तहत पुलिस बल तैनात रहा। कुछ देर के लिए हालांकि याता यात व्यवस्था बिगड़ी रही जो बाद मे सुधर गई। लोगों ने कहा कि माता अभी विश्राम के लिए जा रही हैं लेकिन चैत्र नवरात्रि में हम सभी के बीच जरूर आएंगी। नगर में माता के नौ दिनों तक जगराता कार्यक्रम से लेकर सेवागीत,गरबा डांडिया की यादें जीवंत रहेंगी।

अष्टमी पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, छत्तीसगढ़ी और फिल्मी गीतों पर थिरके प्रतिभागी

गरियाबंद। गांधी मैदान में श्री सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के पांच दिवसीय रास गरबा उत्सव के चौथे दिन अष्टमी पर गरबा की धूम रही। मां दुर्गा की आराधना के साथ पारंपरिक गरबा नृत्य ने आयोजन में उत्साह और उमंग भर दी। महिलाएं और युवतियां रंग-बिरंगी वेशभूषा में सज-धजकर पहुंचीं। कोई पारंपरिक परिधान में नजर आया तो किसी ने फिल्मी अंदाज में अपनी प्रस्तुति दी। अलग-अलग रंगों और आकर्षक वेशभूषा के बीच प्रतिभागियों ने गरबा के विभिन्न चरणों में सामूहिक नृत्य किया। छत्तीसगढ़ी और फिल्मी गीतों की धुन पर देर तक थिरकते रहे प्रतिभागियों ने पूरे परिसर को उत्सवी रंग में रंग दिया।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ने बढ़ाया उत्साह- अष्टमी के अवसर पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक परिधानों के साथ अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कोई काली माता बनकर आए तो कोई भारत माता और दुर्गा माता के रूप में सजे थे। कोई भूत, कोई महिषासुर तो कोई पुराने जमाने की अभिनेत्री के रूप में तैयार होके पहुंचे थे। गरबा के दौरान पारंपरिक वेशभूषा, रंगों का तालमेल और नृत्य की लय विशेष आकर्षण रहे। मां दुर्गा की भक्ति के साथ संगीत और नृत्य का संगम देखने बड़ी संख्या में नगरवासी गांधी मैदान पहुंचे। प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ गरबा किया और छत्तीसगढ़ी गीतों पर भी जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम के अंत में फैंसी ड्रेस वालों को पुरस्कृत भी किया गया।





नगर पालिका की पूरी टीम हुई शामिल- पांच दिवसीय गरबा उत्सव के चौथे दिन नगर पालिका की पूरी टीम कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष रिखी यादव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, सभापति सुरेन्द्र सोनटेके, रेणुका साहू, पुष्पा साहू, मधु देवांगन, सूरज सिन्हा, पार्षद बिंदु सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में समिति के मनोज खरे, प्रकाश रोहरा, संदीप सरकार, संजीव साहू, नारायण सारथी, तरुण यदु, सागर मयाणी, ऐश्वर्या यदु, उत्तम सोनी, रितेश ताण्डी, गैदलाल सिन्हा, मुकेश पांडे, रमन कुकरेजा, भावेश सिन्हा और जालेश सेन सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। समिति की ओर से आयोजित इस उत्सव में धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय संस्कृति और सामूहिक सहभागिता की झलक देखने को मिली।

हरिहर की शेरनियों ने सीएटीसी-150 कैंप में लहराया परचम

पीएमश्री हरिहर स्कूल की छात्राओं का जलवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा राजिम

पीएमश्री हरिहर शासकीय विद्यालय की छात्राओं ने 1 सीजी गर्ल्स बटालियन के तत्वावधान में आयोजित सीएटीसी-150 कैंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन, मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर 3 स्वर्ण पदक गोल्ड मेडल जिसमें श्रेजल देवांगन, रोशनी जगने ने वॉलीबॉल, लक्ष्मी साहू ने रस्सा कसी में एक-एक गोल्ड और 4 रजत पदक सिल्वर मेडल जिसमें साक्षी देवांगन, खुशी साहू, छाया साहू ने एक-एक सिल्वर और सौम्य साहू ने रिले रेस में एक सिल्वर जीतकर सफलता का परचम लहराया। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष और गर्व का माहौल है। छात्राओं की इस सफलता ने न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। कैंप में छात्राओं ने अपने कौशल, आत्मविश्वास और खेल भावना का परिचय देते हुए यह साबित किया कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य महेश नेताम, एनसीसी अधिकारी सेकेंड ऑफिसर तोषराम ध्रुव एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जीते 3 स्वर्ण और 4 रजत पदक



